

RAN-1901130403020001
M.A. (Sem.-III) Examination March - 2026
Sanskrit : Paper-XII
वेदाङ्ग साहित्य – निरुक्त
Time: 2 Hours]
[Total Marks: 50

सूचना : / Instructions (1) उपरोक्त दशविव विगतो उत्तरवली पर अवश्य लभवी. Fill up strictly the above details on your answer book	Seat No.: Student's Signature
--	--

- प्र.1. निर्वचनो समझवो. (गमे ते पांथ) 10**
- | | |
|-----------|------------|
| 1. अश्व | 2. काष्ठा |
| 3. ऋषि | 4. निर्ऋति |
| 5. हिरण्य | 6. दध्निका |
| 7. रश्मि | |
- प्र.2. अ. विस्तारथी समझवो. (गमे ते बे) 08**
- तमिमं समाम्नायं निघण्टवः इत्याचक्षते ।
 - षड् भावविकारा भवन्तीति वार्ष्पायणिः।
 - उच्चावचाः पदार्था भवन्तीति गार्ग्यः।
 - अथापीदमन्तरेण मन्त्रेष्वर्थप्रत्ययो न विद्यते।
- ब. विस्तारथी समझवो. (गमे ते अेक) 05**
- अथ निपाताः उच्चावचेष्वर्थेषु निपतन्ति।
 - अर्थवन्तः शब्दसामान्यात्।
- प्र.3. यास्काचार्यना मत मुञ्ज चत्वारि पदजातानि विस्तारथी समझवो. 13**
- अथवा**
- प्र.3. इन्द्रियनित्यं वचनमौदुम्बरायणः। आ विधान समझवी, आ बाबते यास्काचार्यना विचारो स्पष्ट करो. 13**
- प्र.4. टूंक नोंध लभो (गमे ते बे) 14**
- निरुक्तनो परिचय
 - निरुक्ताध्ययननां प्रयोजनो.
 - निरुक्तनो अधिकारी-अनाधिकारी.
 - निर्वचननां सिद्धांतो.